दिनांक: 20.01.2023

नाईपर, एसएएस नगर में दो सप्ताह के आईटेक गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन समारोह

नाईपर, एसएएस नगर ने 9 से 20 जनवरी, 2023 तक "फार्मास्युटिकल जीएमपी ऑडिट और सेल्फ इंस्पेक्शन" पर दो सप्ताह का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

11 **देशों**, **इथियोपिया**, **मलावी**, मालदीव, तंजानिया, सूडान, बांग्लादेश, ग्वाटेमाला, केन्या, मोजाम्बिक, कजाकिस्तान और श्रीलंका से कुल **19** प्रतिभागी थे, जिन्होंने ड्रग रेगुलेटरी, फार्मासिस्ट और क्वालिटी कंट्रोल की पृष्ठभूमि के साथ पाठ्यक्रम में भाग लिया।

आज संस्थान के संयोजन केंद्र में समापन समारोह का आयोजन किया गया। पाठ्यक्रम समन्वयक **श्री बनोथ राजकुमार नाइक**, **वैज्ञानिक**, **नाईपर, एसएएस नगर ने** कार्यक्रम की एक रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने उल्लेख किया कि फार्मास्युटिकल उद्योग, शिक्षाविद और रेगुलेटरी एजेंसियों के प्राख्यात विद्वानों ने इस कार्यक्रम में व्याख्यान दिया। जीएमपी ऑडिट और सेल्फ इंस्पेक्शन पर **21** अलग-अलग सत्रों के साथ-साथ ऑडिट हैंडलिंग और सेल्फ इंस्पेक्शन पर व्यावहारिक प्रशिक्षण और कार्यशालाओं पर **4** सत्र आयोजित किए गए थे। प्रतिनिधियों को इस आईटेक (ITEC) कार्यक्रम के एक भाग के रूप में डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज लिमिटेड (एफटीओ **6)** बद्दी और पंजाब बायोटेक्नोलॉजी इनक्यूबेटर, मोहाली ले जाया गया। इसके अलावा, कार्यक्रम के दौरान नाईपर मोहाली में विभिन्न केंद्रीय सुविधाओं का दौरा भी किया गया।

प्रोफेसर दुलाल पांडा, निदेशक, नाईपर ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने चालू वर्ष के लिए जी-20 शिखर सम्मेलन के आदर्श वाक्य "वसुधैव कुटुम्बकम" का उल्लेख किया जिसका अर्थ है एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य। उन्होंने कहा कि दुनिया के सभी लोग हमारे रिश्तेदार हैं और आइए हम दुनिया को स्वस्थ बनाएं। उन्होंने प्रतिभागियों को आईटेक (ITEC) पाठ्यक्रम ज्ञान का अधिकतम उपयोग करने और भारत के लिए एक ब्रांड एंबेसडर बनने के लिए प्रेरित किया ।

डॉ. गिरीश साहनी, **अध्यक्ष**, **शासी मंडल** (बोर्ड ऑफ गवर्नर्स), नाईपर, एसएएस नगर भी इस अवसर पर उपस्थित थे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऐसे प्रशिक्षणों का उद्देश्य पारदर्शिता लाना है। उन्होंने बताया कि ये सिद्धांत हर दिन विज्ञान के लिए भी उपयोगी हैं। उन्होंने उल्लेख किया कि कई देशों को पारंपरिक दवाओं का गहरा ज्ञान है। उन्होंने प्रतिभागियों से कहा कि जब वे अपने देश वापस जाएँ तो उन्हें इन पारंपरिक चिकित्सकों को और अधिक वैज्ञानिक बनाने का प्रयास करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त प्रतिभागियों ने इस कार्यक्रम में अपने अनुभव साझा किए और इस प्रकार के भविष्य के कार्यक्रमों में सुधार की गुंजाइश के बारे में बताया। उन्हें इस कोर्स में शामिल होने का प्रमाण पत्र भी सौंपा गया।

अंत में श्री जितेन्द्र चंदेल, कार्यवाहक कुलसचिव, नाईपर, एसएएस नगर द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव दिया गया। दो सप्ताह का गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

Valedictory Function of two week ITEC intensive training Programme at NIPER SAS Nagar

NIPER SAS Nagar has organized a two week intensive training programme on **"Pharmaceutical GMP Audits and Self Inspections", from 9th - 20th January, 2023.**

There were total 19 participants from 11 countries, Ethiopia, Malawi, Maldives, Tanzania, Sudan, Bangladesh, Guatemala, Kenya, Mozambique, Kazakhstan and Srilanka, with background of Drug Regulatory, Pharmacist and Quality Control who attended the course.

Today, the valedictory function was organized in the Convention Centre of the Institute. The course Coordinator **Mr. Banoth Rajkumar Naik, Scientist, NIPER SAS Nagar** presented a report of the Programme in which he mentioned that the resource persons from the pharmaceutical industry, academia and regulatory agencies delivered lectures in this programme. There were 4 sessions held on hands-on training and workshops on audit handling and self inspections along with 21 different sessions on GMP Audits and self inspections. The delegates were taken to **Dr. Reddy's Laboratories Limited (FTO 6) Baddi and Punjab Biotechnology Incubator, Mohali** as a part of this ITEC program. In addition, there was a visit to various central facilities at NIPER Mohali organized during the programme.

Further **Prof. Dulal Panda Director, NIPER** addressed the gathering. He mentioned about the motto of G-20 Summit for the current year "*Vasudaiv kutumbkam*" which means one earth, one family one future. He said all people of the world are our relatives and let us make the world healthier. He advised the participants to utilize the ITEC course knowledge to the maximum and be a brand ambassador for India.

Dr. Girish Sahni, Chairperson, Board of Governors, NIPER SAS Nagar was also present on the occasion. In his address he mentioned that the objective of such trainings is to bring transparency. He told these principles are useful for every day science also. He further mentioned that many countries have deep knowledge of traditional medicines. He told the participants that when they go back to their country they should try to make these traditional healers to become more scientific.

Further the participants shared their experiences of this programme and mentioned about the scope of improvement in such type of future programmes. They were handed over the certificates of attending this course.

At the end the vote of thanks was given by **Mr. J.K Chandel, Officiating Registrar, NIPER SAS Nagar**. The two week intensive training programme was concluded successfully.